# गंगा तट पर लिया गया चरित्र निर्माण का संकल्प

**फर्रूखाबाद-बीबीगंज।** ब्रह्माकुमारीज़ के लाईट हाउस सेवाकेन्द्र द्वारा मेला श्री रामनगरिया गंगातट पांचालघाट फर्रूखाबाद में आयोजित 'चरित्र निर्माण प्रदर्शनी' के उद्घाटन कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मंजू ने कहा कि यदि मानव का स्वास्थ्य या धन चला गया तो कुछ भी नहीं गया, लेकिन अगर चरित्र चला गया तो समझो सबकुछ चला गया। श्री श्री 108 जयदेवानन्द सरस्वती योगी जी महाराज, महामण्डलेश्वर,बद्री धाम ने कहा कि यदि हमने अपने मन तथा इन्द्रियों को वश में कर लिया तो यही योग होगा। अपर जिलाधिकारी भानू प्रसाद ने कहा कि चरित्र निर्माण अध्यात्म का प्रथम चरण है। जो समाज जितना चरित्रवान होता है उतना ही वह उत्थान की ओर जाएगा। चरित्र के निर्माण के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती। उप जिलाधिकारी अमित आसेरी ने कहा कि आज का मानव, मानव से नहीं वस्तुओं से प्रेम करता है। इसलिए मानव में मानवता नहीं है, प्रेम नहीं है। यही विश्व के विनाश का कारण है। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अरुण प्रकाश तिवारी ददुआ ने कहा कि सत्संग के बिना विकास हो नहीं सकता। अतः हमें संत स्वभाव के लोगों का संग करना चाहिए। सूफी संत पप्पन मिया ने कहा कि यह गंगा का घाट बहुत ही श्रेष्ठ है। हमने एवं अन्य मुस्लिम लोगों ने गंगा के घाट पर ही नमाज एवं बुजु की है। न जाने कितने सन्तों ने गंगा के स्पर्श से ही अपनी आराधना प्रारम्भ की है। गुरूद्वारा प्रमुख गुरूवचन सिंह ज्ञानी ने कहा कि यहाँ दिये जा रहे ज्ञान के द्वारा हमारे मन में, कर्म में तथा वृत्ति में ऐसा परिवर्तन होगा जिससे सारा जीवन ही एक प्रकाश के समान हल्का हो जाएगा। ब्र.कु. गिरिजा ने सभी को राजयोग की गहन अनुभूति कराई। मंच का कुशल संचालन दीपिका त्रिपाठी ने किया। ब्र.कु. सुरेश चन्द्र गोयल ने सभी का धन्यवाद एवं ब्र.कु. रंजना ने स्वागत किया। इस मौके पर शहर के कई गणमान्य लोगों सहित संत महात्मायें उपस्थित थे।

ब्र.कु. मंजू, महामण्डलेश्वर जयदेवानन्द सरस्वती योगी जी महाराज, जिलाधिकारी भानू प्रसाद, उप जिलाधिकारी अमित आसेरी, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष अरुण प्रकाश तिवारी ददुआ, सूफी संत पप्पन मिया, ब्र.कु. गिरिजा व अन्य।

**एडवोकेट सुरेन्द्र सामवंशी ने कहा कि हम ग्रन्थों में पढ़ते हैं कि जब ब्रह्मा घोर तपस्या कर रहे थे तो उस समय उनके मुख से एक ही शब्द निकला 'ओंकार' जिसने ब्रह्माण्ड की रचना की। आज यहाँ हमें ये चरितार्थ होते दिख रहा है। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने कठिन तपस्या कर इस संस्था की स्थापना की। यह 'ओंकार' शब्द ही मोक्ष देने वाला है।**

# आपके शब्दों में ही आपकी सुरक्षा

कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए डी.आई.जी. साहब। साथ हैं राजयोगी ब्र.कु. अनुज, ब्र.कु. छाया तथा अन्य सी.आर.पी.एफ. ऑफिसर।

**बिलासपुर-उसलापुर(छ.ग.)।** विचार हमारे जीवन में खास महत्व रखते हैं। यही विचार हमें सुरक्षित या असुरक्षित होने का भाव देते हैं। उक्त विचार शांति सरोवर में सी.आर.पी.एफ. के जवानों के लिए आयोजित एक दिवसीय शिविर में दिल्ली से आये राजयोगी ब्र.कु. अनुज ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आखिर सुरक्षित होने का अर्थ क्या है? हम किस प्रकार स्वयं को सुरक्षित कर सकते हैं? उन्होंने बताया कि यदि आपको किसी शब्द का उपयोग करना हो तो उस शब्द को किस प्रकार से उपयोग कर रहे हैं ये आप पर निर्भर करता है। कोई उसी शब्द को सकारात्मक लेते हैं तो कोई नकारात्मक लेते हैं और कोई साधारण भी लेते हैं। इस प्रकार उपयोग के आधार पर पता चलता है कि व्यक्ति की ऊर्जा कैसी होगी। यही प्रदर्शित करता है कि आप कितने सुरक्षित हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमें सकारात्मक विचारों को उत्पन्न करने के लिए सकारात्मक ऊर्जा के स्रोत से जुड़ना होगा जो केवल एक परमपिता शिव परमात्मा हैं। जिन्हें अलग अलग धर्मों में अलग अलग नाम से पुकारा व माना गया है, किन्तु वह एक ही हैं, निराकार ज्योतिर्लिंग। जब हम उनसे अपनी बुद्धि की तार जोड़ते हैं तो हम भी सकारात्मक ऊर्जा से भर जाते हैं और इसी क्रिया को राजयोग कहा जाता है। इसके पश्चात् सभी को राजयोग की गहन अनुभूति कराई गई। तत्पश्चात् डी.आई.जी. साहब ने आयोजन की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था अच्छा कार्य कर रही है। यहां आने से शांति की अनुभूति होती है। मन स्वस्थ एवं आनंदित हो जाता है। अंत में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. छाया ने संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया।

- **आपकी सुरक्षा का पैमाना - आप शब्दों का प्रयोग किस भाव से कर रहे हैं**
- **अपनी सकारात्मक ऊर्जा को बनाये रखने के लिए परम स्रोत के साथ जुड़ें**

# 'मेरा देश मेरी शान अभियान' का छत्तरपुर में शुभारंभ

सेवाकेन्द्र पर अभियान का उद्घाटन करते हुए जिला पंचायत अध्यक्षा कलावती अनुरागी, दैनिक छत्तरपुर भ्रमण समाचार पत्र के प्रधान सम्पादक हरिप्रकाश अग्रवाल, ब्र.कु. प्रशान्ति, ब्र.कु. शैलजा व अन्य।

**छत्तरपुर-म.प्र.।** भारत देश की विविधता व अनेकता में एकता के कारण ही सारे विश्व के लिए ये आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है और यातायात विभाग के माध्यम से सारा विश्व भारत में आकर शिक्षा ले रहा है। उक्त व्याख्यान मुम्बई से आईं ब्र.कु. प्रशांति ने छत्तरपुर पुलिस कंट्रोल रूम स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सभा के समक्ष व्यक्त किये। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक तिलक सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम की वर्तमान समय में पुलिस महकमे को अत्यंत आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवा पुलिस सेनानी को उनके कार्य के प्रति कर्त्तव्य निष्ठ बनाने में सहायक हैं। इस मौके पर रक्षित निरीक्षक योगेन्द्र सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारीज़ के शिपिंग, एविएशन एवं टूरिज़्म प्रभाग द्वारा 'मेरा देश मेरी शान अभियान' चलाया जा रहा है। जिसका लक्ष्य विश्व के कोने कोने तक भारत की महान संस्कृति और सभ्यता का परचम लहराना है। अभियान में मुख्य वक्ता के रूप में मुम्बई की ब्र.कु. प्रशांति, ग्वालियर से ब्र.कु. ज्योति, आशीष एवं जय भाई शामिल रहे। ग्वालियर से आईं ब्र.कु. ज्योति ने सभा को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

**शहर में अभियान के द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन**

- **ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के पावन धाम सेवाकेन्द्र से अभियान का शुभारंभ**
- **पुलिस कंट्रोल रूम का कॉन्फ्रेन्स हॉल**
- **पं. देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज**
- **केन्द्रीय विद्यालय, छत्तरपुर**

अभियान के अंतर्गत शहर के केंद्रीय विद्यालय छत्तरपुर में 'रिचार्जिंग टेक्निक' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय प्राचार्य विशन सिंह राठौर सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहे। उसके पश्चात् पं. देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज में कार्यक्रम रखा गया जिसमें ब्र.कु. आशीष ने विद्यार्थियों को मोटीवेट करते हुए उन्हें जीवन का लक्ष्य कैसे निर्धारित करें विषय पर प्रकाश डाला। साथ ही ब्र.कु. प्रशांति ने मेडिटेशन के अभ्यास द्वारा स्मरण शक्ति वृद्धि करने के उपाय सुझाये। अंत में कॉलेज प्राचार्य जे. सोनी ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। अभियान के साथ छत्तरपुर से ब्र.कु. रमा, ब्र.कु. कल्पना, ब्र.कु. कमला, ब्र.कु. ओमप्रकाश अग्रवाल एवं ब्र.कु. धीरज उपस्थित रहे।

# जवानों के लिए तनाव मुक्ति कार्यक्रम

**मथुरा-उ.प्र.।** ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सी.आर.पी.एफ.16 बटालियन के जवानों के लिये आयोजित 'तनाव मुक्ति शिविर' में ब्र.कु. कमल बहन,नारनौल ने कहा कि आज समाज में हम सभी कार्य करते-करते कहीं ना कहीं तनाव का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि जब एक स्विच ऑन करते ही कमरे का अंधेरा दूर हो जाता है, तो इसका अर्थ हुआ कि अंधेरे का कोई अस्तित्व नहीं है। उसी प्रकार जब हमारे जीवन से ज्ञान और खुशी खत्म हो जाते हैं तो तनाव की अनुभूति होती है। उन्होंने तनाव से निकलने की विधि बताते हुए कहा कि आज हम दिल से सभी से माफी मांगें और सभी को दिल से माफ कर दें, जिससे हम हल्के हो जायेंगे और हमारे जीवन से तनाव दूर हो जायेगा। साथ ही उन्होंने राजयोग का अभ्यास प्रतिदिन सुबह-शाम करने को कहा। अपने जीवन का हिस्सा बनायें। इससे आपकी दिनचर्या भी आसान होगी। इसके पश्चात् उन्होंने सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। इस अवसर पर कंपनी कमाण्डेंट विवेश शर्मा, डिप्टी कमाण्डर संतरा कुमारी, असिस्टेंट कमाण्डर बबीता कुमारी, असिस्टेंट कमाण्डर अमित कुमार सहित 250 जवान उपस्थित रहे।

- **ऑफिसर्स तथा 250 जवानों ने लिया लाभ**
- **राजयोग मेडिटेशन द्वारा की अनुभूति**
- **तनाव मुक्त रहने की दी गई टिप्स**

सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम ने कहा कि आज जीवन की भाग दौड़ में हम स्वयं की पहचान को भूल गये। जिससे हमारे जीवन में तनाव ने जगह बना ली। उसे दूर करने के लिए राजयोग मेडिटेशन को

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th Feb 2019
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।